

Class Seminar Report

BSc Final Year
(2020-2021)



Submitted by

Dr. Razia Sultana

Assistant Professor Zoology

Shri Kuleshwar Mahadev Govt. College, Gobra, Nawapara, Raipur, C.G.

Index

S.No.	Date	Speaker	Topic
1.	23/02/21	Mr. Murlidhar Sahu	Spirochaeta
2.	24/2/21	Ms. Usha Sahu	Rickettsia
3.	25/2/21	Ms. Isha Sauraj	Entamaeba Histolitica
4.	26/2/21	Ms. Uma Chakradhari	Giardia
5.	02/03/21	Ms. Tripti Sinha	Microscope
6.	02/03/21	Rachna Sahu	Schistosoma
7.	03/03/21	Mr. Ishwarilal Pal	Insect vector
8.	04/03/21	Mr. Vedprakash Sahu	Trypanosoma
9.	05/03/21	Ms. Roma Kandra	Parasites of man
10.	06/03/21	Mr. Yogesh sahu	Bacteria
11.	08/03/21	Ms. Tulsi Tarak	Protein
12.	09/03/21	Mr. Punaram Sahu	Ascaris Lumbricus
13.	10/03/21	Ms. Pratibha Netam	pH meter

Class Seminar Presentation

Topic - Spirochaetes

Name - Muzlidhar Sahu

Class - B.Sc. III Year

* **Microbiology** :- Study of different micro organism. can be Bacteria, Viruses, Parasites, Fungus,

* **Spirochaetes** :- Spirochaetes जीवाणु Heterogeneous Group की संघर्षित होते हैं, ये स्वतंत्र व्यवस्थित होते हैं और Anaerobic या Microaerobic Sediment में पाये जाते हैं / High Sulphide की मात्रा बढ़ने की क्षमता होती है /

* Cell diameter - 0.2 - 0.8 μ m, Habitat - Sediments

* Carbon & Energy Source - शर्करा, Energy metabolism - फिक्सीकरण या

* G + C Percent - 51-65% पराकषी व्यवस्थित,

* **Taxonomy or Classification** :-

* Order - Spirochaetales

* Family - 2 types of Family

* Spirochaetaceae

Genus :- Treponema, Borrelia

* Leptospiraceae

Genus :- Leptospira

* **Spirochaetales Associated Human Diseases** :-

Genus	Species	Disease
Treponema	T. Pallidum T. endemicum T. Pertenuae T. Carateum	Syphilis Bejel Yaws Pinta
Borrelia	burgdorferi recurrentis	Lyme disease (borreliosis) Epidemic relapsing fever
Leptospira	interrogans	Leptospirosis (weil's disease)

अनुष्ठीकरण 17/03/24 Thank you 😊

INTRODUCTION

NAME - ISHWARI LAL
F. NAME - RAMRATAN PAL
CLASS - B.SG III YEAR (Bio)
SEMINAR TOPIC - INSECT VECTOR
COLLEGE - GOVT. COLL. GOBRA NANAPARA (C.G.)

INSECT VECTOR

CLASSIFICATION ⇒ PHYLUM - ORTHOPODA

CLASS - INSECTA

DEFINITION ⇒ VECTOR ARE ORGANISM WHICH TRANSMIT DISEASE PRODUCING PARASITE

मनुष्य और INSECT में धर्मिष्ठ संबंध होता है ये हमारे लिए हानिकारक और लाभ गरी दोनों होता है। यह और तो ये मनुष्य में भयंकर रोग उत्पन्न करता है उसी प्रकार दूसरी ओर लाभ पहुंचाता है। जैसे मधुमक्खी, रेशम कीटा ये INSECT मनुष्य और पशु में रोग उत्पन्न करते हैं। ये कीटा रोग हम उत्पन्न करते हैं किंतु पैरासाइट को यह HOST से दूसरे HOST ले जाने का कार्य करता है। यह WHO के अनुसार प्रतिवर्ष मरने वाले मनुष्यों में 50% INSECT द्वारा फैले हुए रोगों से मरते हैं।

वस्तुतः सारे ऐसे कीटा हैं जिन्होंने रोग उत्पन्न होते हैं जैसे जहरीले कीटा, प्रोटोजोआ कीटा, इससे मनुष्यों और पशुओं में खुजली जलन, त्वचीय रोग उत्पन्न होते हैं कुछ रोग फैलाने वाले कीटा घरेलू मक्खी, मच्छर हैं मक्खी हमारे खाने में पैरासाइट को दोज देते हैं जो हमारे भोजन से शरीर में जाते हैं और रोग उत्पन्न करते हैं। मच्छर के आटे से विभिन्न प्रकार के रोग जैसे मलेरिया, डेंगु, yellow fever जैसे रोग होते हैं। इसी प्रकार टेबैनल फ्लॉइ, टीसी-टीसी फ्लॉइ, सेबड फ्लॉइ, रक्तमल, पुँ से भी विभिन्न प्रकार के रोग होते हैं।

इस रोगों से बचने के लिए विभिन्न प्रकार के दवाई या सेवने कला चाहिए साथ ही साथ अपने आसपास सुदुष्गंध युक्त व साफ़ताफाई रखना चाहिए पीने व खाने के समान को संतुकर रखना चाहिए व जोर से के व्याप अच्चे से हाथ धोना चाहिए / मक्खी को नष्ट करे।

अगर हम अपने आसपास साफ़ रखें तो ये मक्खी रोग नहीं फैलाये। जिससे हमें रोग नहीं होगा

ISHWARI LAL

Class Seminar
Session

श्री कुलेश्वर महोदय महाविद्यालय सत्र - 2020-21

नाम - ईशा श्रीराम

कक्षा - B.S.C. III (Bio)

विषय - Zoology

Topic - Entamoeba histolytica

Date - 25/02/2021

* Entamoeba histolytica

(1) Introduction :- discover by - Friedrich Lash (1873)

⇒ यह एक Endoparasite है जो मानव के आँसूनाल के Intestine भाग में अपनी life cycle complete करता है।

⇒ यह एक पोषक (Monogenic) होता है। HOST - HUMAN
⇒ इसके life cycle में तीन अवस्थाएँ पाई जाती हैं :-

(a) Trophozoite :- Mature cell

(b) Pre-Cyst :- Immature cell

(c) Cyst :- Carrier (वाहक)

⇒ Trophozoite की cell में पाये जाने वाले Cytoblasts दो भागों में विभक्त किया गया है :-

(a) Ectoplasm :- यह Granular, R.B.C., W.B.C., Leucocytes present होते हैं।

(b) Endoplasm :- यह श्वच्छ तरल द्रव होता है।

⇒ Trophozoite cell का size - 18 μm से 40 μm होती है।

⇒ Pre-Cyst cell का size - 10 μm से 20 μm होती है।

⇒ Entamoeba histolytica विशेष प्रकार के तरल पदार्थ का स्रावण होती है जिसे Histolysin कहा जाता है।

⇒ Histolysin पदार्थ Intestine की mucosa-submucosa की layer को क्षति पहुँचाते हैं।

⇒ Parasite में vacuole, Contractile vacuole absent होती है।

⇒ इनकी life cycle में Reproduction क्रिया BINARY FISION द्वारा होती है।

⇒ यह यकृत, Intestine, large intestine, lungs, को भी affect करती है।

⇒ Cyst में एक wall present होती है जो इसे बाह्य कारक जैसे PH, Temperature से बचाती है।

⇒ इनकी life cycle में Binary fision द्वारा $2 \rightarrow 4 \rightarrow 8$ nucleus का निर्माण होता है।

⇒ Trypsin enzyme के प्रभाव से इनकी outer wall नष्ट होती है जिससे cells बाहर निकलती है।

★ Infection and symptoms

- (1) पेट में मरोड़, खेंठन होती है।
- (2) रक्त के साथ पेशाब।
- (3) जल की कमी, हल्का बुखार।
- (4) All Ulcers, पेट में जलन की समस्या।

★ Treatment

- (1) सही जल व भोजन का सेवन करना चाहिए।
- (2) खुले मैदानों में शौच नहीं करना चाहिए।
- (3) खाने की वस्तुओं को ढँक कर रखना चाहिए।
- (4) उपयोग में लाने वाली वस्तुओं को धोने के पोटेशियम परमैंगनेट का उपयोग करना चाहिए।
- (5) Emetin, Dehydroemetin, Entamozal, Iodozol, Chloroquine का प्रयोग करना चाहिए।

इशा शर्मा

Name — Roma Kandra
Father Name — Tikamchand Kandra
Class — B.S.C. IIIrd (BIO)
Topic — Parasites of man
College — Govt. College, Gobra Naurapara (G.O.)

Date — 05-03-2021

PARASITES

Definition ⇒ A Parasite is an organism that lives on or in a host organism and gets its food from or at the expense of its host.

Classification ⇒ There are three main classes of Parasites that can cause disease in humans: Protozoa, helminths, and entomology.

Type ⇒ 3 type of Parasites

- ① Endoparasite :- Infection inside the body
eg:- round worm and Tape worm
- ② Ectoparasite :- Infection superficially within the skin
eg:- lice, Bedbug, Mosquito
- ③ Epiparasite :- Parasite feed on other parasites.
eg:- Ascariis

Life Cycle ⇒ ① Direct Life Cycle :- life cycle complete on one host
② Indirect life cycle :- life cycle complete on more than one host

Disease ⇒ Many of the parasites protozoa including those that cause disease.
eg:- Malaria (Plasmodium), Chagas disease (Typanosoma cruzi)
Leishmaniasis (Leishmania)

Treatment ⇒ • Antiparasitic drugs :- Albendazole, Mebendazole, quinine,
Thiabendazole, chloroquine
• Surgery :- Cystic echinococcosis (Hydatid disease)

Roma

INTRODUCTION

Name - Pratibha Netam

Father Name - Mr. Manoj Kumar Netam

Class - B.S.c. III Year (Bio)

Seminar Topic - pH Meter

College - Govt. Coll. Gubera Navapara
(C.G.)

pH Meter

Introduction :- pH Meter एक ऐसा पैमाना है जिसकी सहायता से हम किसी भी Solution की प्रकृति जान कर सकते हैं, की वह अम्लीय प्रकृति है या क्षारीय प्रकृति का है।

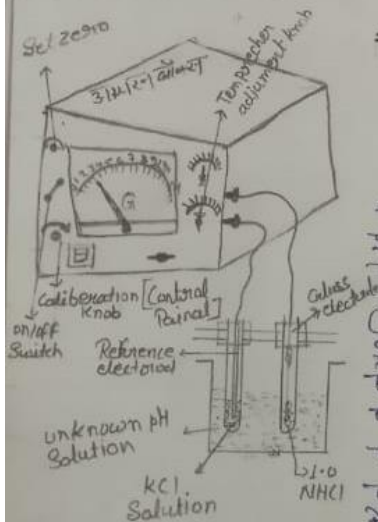
pH ज्ञात करने के लिए Sorensen नामक वैज्ञानिक ने (सन् 1909) में pH Scale की खोज की, जिसमें 0-14 तक की संख्या होती है, इसमें 7 उदासीन होता है तथा 7 से अधिक होने पर क्षारीयता को और कम होने पर अम्लीय को बताता है।

pH = Power of Hydrogen
Potential of Hydrogen

Defination :-

1 mol / liter Hydrogen ion की सांद्रता के लघुलघुगक को pH कहते हैं।

pH Meter



Beckmann pH meter

इसे Beckmann pH Meter कहते हैं।

यह Meter Beckmann नामक वैज्ञानिक ने दिया है, इस लिए यह Meter एक Condrol Pointed होता है, जिसमें 2 electrode जोन रहते हैं, एक electrode Reference और दूसरा Indicator an Glass electrode होता है। ये दोनों इलेक्ट्रोड उस Solution में डबा रहता है, जिसका pH ज्ञात करना है, इस Meter में बहुत सारे Switch होते हैं, जिससे pH Meter को Set किया जाता है, इसका बाह्य आवरण आवरण का बना होता है, जिस कारण इसे आवरण बाक्स यानी electrode joined रहते हैं। Glass electrode में 2 tube होते हैं, outer tube में 0.1 N HCl Solution भरा होता है। Internal tube सिल्वर क्लोराइड का बना होता है। इस अंतिम सिरा बहुत ही संवेदी होता है, जो pH ज्ञात करने में सहायता करता है। Reference electrode भी 2 tube का होता है। पहला Internal tube दूसरा outer tube, Internal tube का क्लोराइड या Platinum wash का बना होता है, Outer tube में KCl Solution भरा होता है, जिसमें Internal tube सिल्वर क्लोराइड का बना होता है, जो pH ज्ञात करने में सहायता करता है। इसमें रेडोक्स Potential का Saket bridge का निर्माण होता है जिससे pH मान ज्ञात होता है।

Pratibha
प्रतिभा नेताम

Name - Purnam Salu.

Father - Dular Ram Salu.

Class - B.S.C III year (Biology)

SEMINAR

TOPIC - Ascaris Lumbricoids.

College - S.K.M Govt College Gobind nagar.

⇒ Ascaris Lumbricoids

Phylum ⇒ Nematoda.

Class ⇒ Phasmda.

Order ⇒ Ascaroidea.

Genus ⇒ Ascaris

Species ⇒ Lumbricoids.

एस्केरिस को सामान्यतः गोलकृमि कहा जाता है. इसके Body का रंग हल्का पीला-भूरा होता है, एस्केरिस Human Body में एस्केरिआसिस (Ascariasis) नामक रोग उत्पन्न करता है।

यह मनुष्य की Small Intestine में पाया जाता है। इनकी Body लम्बे-बेलनाकार, खण्डहीन दोनों सिरे बुकिले पाया जाता है।

एस्केरिस वयस्क में कम तथा बच्चों में अधिक Harmful होता है, पोषक बढ़ाने पर इनके अण्डे एक इंसरे पर विकसित नहीं होता है।

प्रायः एस्केरिस में नर (male) एवं मादा (female) Reproductive Organ अलग-अलग पाया जाता है, जिसे लैंगिक द्वैकपता या Sexual dimorphism कहते हैं !!

male एस्केरिस की Body लम्बाई 15-25cm होती है जबकि मादा एस्केरिस की लम्बाई 20-40cm होती है।

male का अग्र भाग में बुकिले ढाँठ पाया जाता है तथा पश्च भाग Terminal होता है जबकि Female का पश्च भाग Straight होता है।

एस्केरिस का जीवन चक्र एक पोषक में पूर्ण होता है जिसे मोनोजेनेरिक Parasites कहा जाता है।

Salu
19/03/21

COLLEGE - Govt. Coll SMK GOBRA NAWAPARA (G.O)

नाम - उमा चक्रवर्ती
पिता का नाम - श्रीमान उदार राम चक्रवर्ती
उक्षा - बी. एम. सी (तृतीय वर्ष)
सेमिनार (Topic) - जीआर्दिया

जीआर्दिया

CLASSIFICATION:-

Phylum - Protozoa
Class - flagellata
Order - Diplomonadina
Genus - Giardina
Species - Lambli

Introduction:-

जीआर्दिया पुरे विश्व मे पाये जाने वाली Protozoan Parasite है। ये पुरे विश्व के देशो मे पाया जाता है। ये एक Protozoan Parasite है। इसको पुरे विश्व मे Giardina Granad oldman of intestine कहा जाता है। जो कि Small Intestines मे पाया जाता है। ये Tricostophora का member है। Giardina सिर्फ मनुष्य को ही अपना host बनाता है। इसको Entermediate या Secondary host नहीं होता है। Giardina सामान्य रोग है। Giardina कई रूपो मे पाया जाता है, तथा अलग-अलग प्रकार से Effect करता है। Giardina - Muris - mammals को Effect करती है। जीआर्दिया अपना जीवन काल दो रूपो मे पूर्ण करता है। (a) Trozoite (b) Cyst
(a) Trozoite - ये feeding stage होती है। इसका आकार 15cm से ल. 7um होती है। अग्र भाग गोलाकार होती है। बाइलेटरी ब्लेफिल होती है। इसकी संरचना pear shaped होती है। इसकी body paired होती है। 2 Nucleus, 4 flagella trine और 2 Axostyle होती है।
(b) Cyst - Cyst infective stage होती है। इसका आकार oval shaped होती है। इसमे कुछ जग बरतार भागो मे पाया जाता है। जिसे sucking disc कहते है। Cyst के अन्दर 4 nucleus उपस्थिति दर्शाते है। Axostyle विकर्ण के रूप पाया जाता है। इसका माप 12em um लम्बाई x 7um चौड़ा होती है। Cyst के द्वारा ही जीआर्दिया निमित्त होती है तथा यह अपना effect प्रदर्शित करती है। ये दुषित भोजन या दुषित पानी से अत्यधिक फैलता है।

Amey

INTRODUCTION

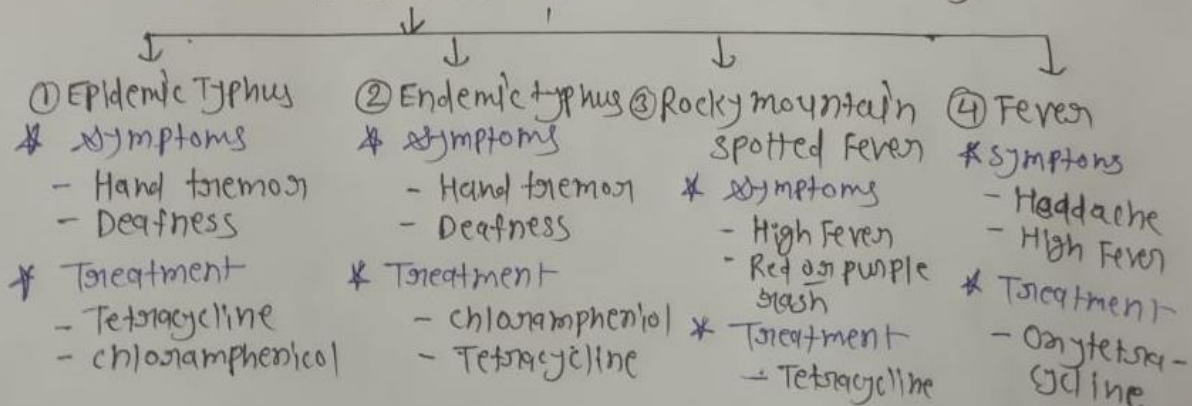
NAME - USHA SAHU
F. NAME - Mr. MOHAN LAL SAHU
CLASS - B.S.C. III YEAR (BIO)
SEMINAR - RICKETTSIA (A PARASITE)
TOPIC -
DATE - 24/02/2021
COLLEGE - GOVT. COLL. JOBRA NAYAPARA (C.G.)

CLASSIFICATION :-

ORDER - RICKETTSIALES
FAMILY - RICKETTSIACEAE
SPECIES - RICKETTSIAEAE
GENUS - RICKETTSIA
ROCHALIMAEA
COXIALLA

ABSTRACT :-

Rickettsia obligatorily parasite जीवण होते हैं, जो Arthropods जणियो में disease cause करता है almost सभी Rickettsia nonmobile, gram negative bacteria होते हैं। Rickettsia का अध्ययन chicken's egg yolk में रीका लगाने द्वारा किया जाता है। जो Host cell में tissue culture में संक्रमित कर लिया जाता है इसके द्वारा निम्नलिखित disease cause किया जाता है:- ① Epidemic Ty-



Usha
24/02/2021

Seminar

Name - Tsipki Sinha
Father Name - Mr. Subelal Sinha
Mother Name - Mrs. Sudha Sinha
Class - B.Sc - III "Bio"
Sub - Zoology Seminar
Date - 2-3-21

Microscope TOPIC

व्यूहमदर्शी या व्यूहमयोजन (माइक्रोस्कोप) वह यंत्र है जिसकी सहायता से आँख से न देखकर चोखे व्यूहम वस्तुओं को छोटी देखा जा सकता है। यह एक ठम व्याख्यान आँसो से देखना संभव नहीं होता है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यूहमयोजन संसार का अध्ययन करना होता है। इसमें प्रकाश के परावर्तन, अपवर्तन, विवर्तन और विद्युत चुम्बकीय विकिरण का प्रयोग होता है। विद्वत् श्रम में रोगों के निदान और नई औषधियों को खोज के लिए माइक्रोस्कोप का सहारा लिया जाता है। इसके मुख्य तीन प्रकार में व्यूहमदर्शी हैं -

- 1) Light microscope (1665)
- 2) Compound microscope (1670)
- 3) Electron microscope (1932)

माइक्रोस्कोपों को खोजने के रूप में दृष्टि संबंधी व्यूहमदर्शन (ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप) का जन्म सबसे पहले माना जाता है। यह महान् किन्तु बेहतर उपकरण होते हैं। व्यूहमदर्शन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉन व्यूहमदर्शी की खोज अत्यंत महत्वपूर्ण मिला का पथर माना जाता है। क्योंकि इसकी खोज के बाद कण्डों को उनके वास्तविक आकार से कई हजार गुना बड़ा करके देखना संभव हुआ।

के भाग =
Microscope (1) Base (2) Mirror (3) Arm (4) Stage
(5) Slide clip (6) Objective lens (7) Nose piece
(8) Coarse adjustment (9) fine adjustment
(10) body tube (11) eye piece

Tsipki
तृप्त सिन्हा

Seminar

Name :- Rachna Sahu
Father's Name - Vishnu Sahu
Mother's Name - Keshari Sahu
Class - B.Sc - III "Bio"
Subject - Zoology Seminar
Date - 2-3-21
College - Shri Kuleshwar Mahadev Govt. College

Schistosoma

Classification

Phylum - Plathelminthes
Class - Digenea
Genus - Schistosoma

- बिस्तेवोमियाबिस (जिसे बिस्तेवोमिया, ब्लेस फीवर और क्यामा फीवर भी कहते हैं) एक रोग है जो बिस्तेवोमा प्रकार के परजीवी क्रीडों के कारण होता है। यह मुख्य रूप से आंत को संक्रमित कर सकता है। इसके human being में schistosoma रोग होता है। बिस्तेवोमियाबिस के पूर्वी दुनिया में 210 मिलियन लोग प्रभावित हैं और हर वर्ष लगभग 12,000 से 200,000 लोग मर जाते हैं। यह रोग अफ्रीका, ब्राजिल और दक्षिण अमेरिका में पाया जाता है। ये dioecious होते हैं। digenetic parasite है अर्थात् इनकी life cycle दो Host में पूरा होता है। ① man. ② snail

तीन प्रजातियाँ मनुष्य को रोगजनक हैं -

- ① Schistosoma haematobium
- ② Schistosoma mansoni
- ③ Schistosoma japonicum

दो बारी अवस्था पायी जाती है -

- ① miracidium \Rightarrow miracidium बारी शीशा (snail) को संक्रमित करता है।
- ② cercaria \Rightarrow cercaria बारी मनुष्य को संक्रमित करता है।

बिस्तेवोमा के लक्षण :- पेट दर्द, आयरिया, रक्तुनी पेशाब से लोग जो लरते :- समय से संक्रमित उनमें लीवर की क्षति, ब्लैडर का कैल्क्युलस हो सकता है। रक्तमूत्रजन होता है।

रोग का उपचार :- उपचार हेतु टारटर क्रोमेटिक, बन्थिओमैलाइन तथा फोर्टेन भीषणियों का उपयोग किया जाता है।

Signature
Rachna Sahu

COLLEGE NAME - BHRI KULESHWAR MAHADEV GOVT. COLLEGE
GOBRA NAWAPARA

NAME - VEDPRAKASH SAHU
FATHER'S NAME - Mr. BHIM SEN SAHU
CLASS - B.S.C. - III YEAR (BIO)
SEMINAR TOPIC - TRYPANOSOMA

CLASSIFICATION :- PHYLUM - Protozoa
CLASS - Mastigophora
ORDER - Kinetoplastida
GENUS - Trypanosoma
SPECIES - gambiense

Introduction :- ट्रिपैनीसोमा गैम्बिएन्स एक परजीवी zooflagellate प्राणी है।
इसका जीवन चक्र Digentic होता है। इसका प्रथमिक पोषक
मनुष्य तथा द्वितीयक पोषक Tse-Tse Fly होता है। मनुष्य में ट्रिपैनीसोमा
की तीन उपप्रजातियाँ परजीवी होती हैं - ① Trypanosoma gambiense ② T. cruzi
③ T. rhodesiense। मनुष्य में यह धातक African sleeping sickness
उत्पन्न करता है।

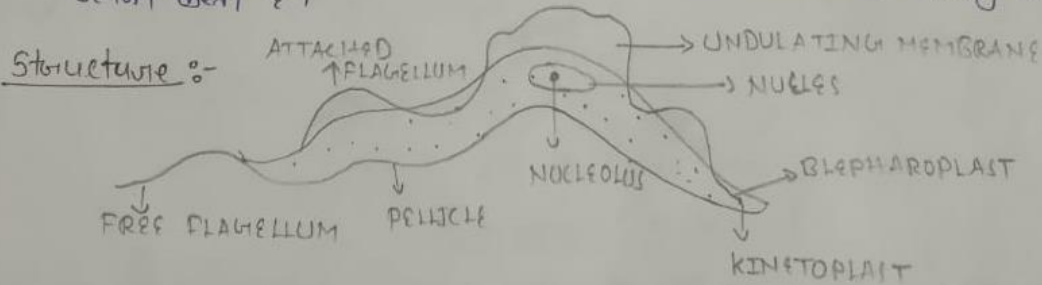
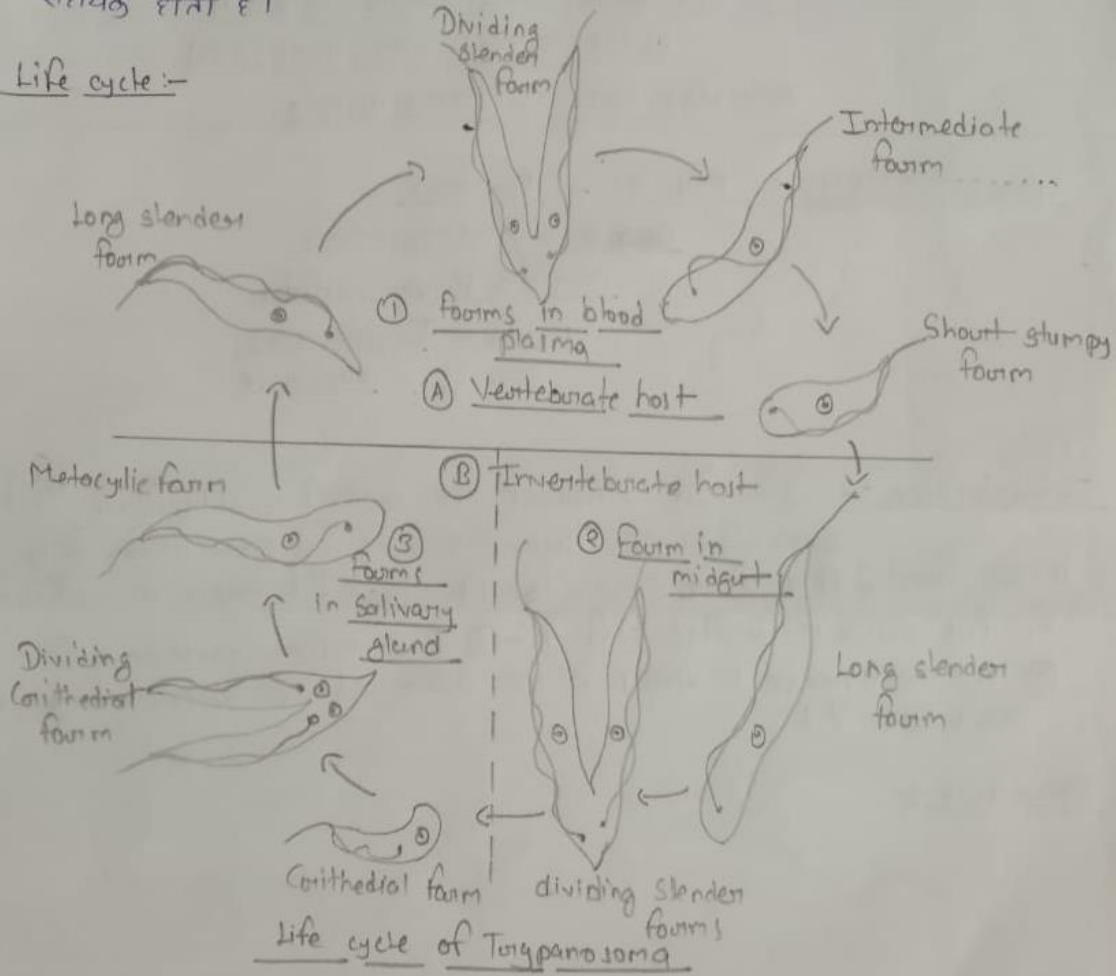


Fig - Trypanosoma gambiense.

- इसका शरीर MICROSCOPIC, स्कोरिडीय, अंडा, चपटा, रंगहीन, Spindle shaped होता है।
- इसकी सर्वोत्तम लंबाई 10-40 μ तथा चौड़ाई 2.5-10 μ होती है।
- इसका संवृष्ट शरीर एक छद्म, पतली व झुकी हुई झिल्ली Pellicle से ढका रहता है।
- शरीर के मध्य में एक बड़ा गोल केन्द्रक पाया जाता है। केन्द्रक में Nucleolus उपस्थित होता है।
- केन्द्रक के पीछे तथा पश्चिम सिरे पर द्रुमुमा गोल रचना Parabasal body होती है।

- इसके सामने होता सा कण Blepharoplast होता है
- Blepharoplast से एक लंबा व छह Flagella निकल कर आगे की ओर बढ़ाई और ये Flagella शरीर से एक तरंगित दिक्ली द्वारा जुड़ा रहता है। यह गति में सहायक होता है।

Life cycle :-



Disease :- यह मनुष्य में African sleeping sickness उत्पन्न करता है

Treatment :- कोश्ट्रीय तत्विका तन्त्र प्रभावित होने की स्थिति में Arsenical की आवश्यकता होती है।

→ Arsenical के मूलगति → Trypanosamide, Melarsolon आदि औषधि जाती है।

→ जो मनुष्य Arsenic के लिए संवेदनशील होते हैं इनको Nitrofurazone (Fluacin) औषधि देना चाहिए।

V. Sahy.

VEDPRAKASH SAHU

INTRODUCTION

NAME - YOGESH SAHU
F. NAME - KESHAV RAM SAHU
CLASS - B.Sc. III YEAR (Bio)
SEMINAR TOPIC - BACTERIA
COLLEGE - GOVT. COLL. GTOBRA NAYAPARA (G.M.)

BACTERIA

★ यह अत्यंत सूक्ष्म एकलकोषीय microscopic prokaryotic जीव है।

खोज - Antony Leeuwenhoek (1675)

Bacteria नाम - Ehrenberg (1828)

Father of Bacteriology - Louis Pasteur

★ Bacteria motile तथा non motile होते हैं

★ जीवाणु सर्वव्यापी होते हैं। यह पृथ्वी के हर पर्यावरण में पाया जाता है।
Fresh तथा Salt water दोनों में पाया जाता है। तथा परजीवी के रूप में अनेक जीवी के शरीर में भी पाया जाता है।

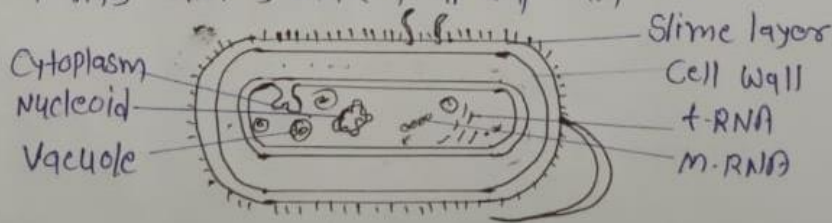


Fig:- Structure

★ Reproduction तीन प्रकार का होता है। (i) SEXUAL (ii) ASEXUAL (iii) VEGETATIVE

★ Disease ⇒ (i) Cholera - Vibrio cholerae (ii) Typhoid fever - Salmonella typhi

CLASSIFICATION -

KINGDOM - Thallophyta

PHYLUM - Schizomycophyta

CLASS - Schizomycetes

GENUS - Bacteria

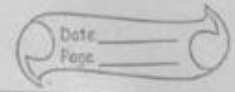
योगेश साहू
Year

Name - Trushi Tashak

class - BSc III

subject - Zoology

PROTEIN



Introduction -

इन जटिल नाइट्रोजनी पदार्थों का नाम डेनहाथोपेक (1838) द्वारा दिया गया। यह ग्रीक शब्द प्रोटियोस (प्रोटींस) से लिया गया है जिसका अर्थ है "प्रथम स्तरी के" प्रोटींस - प्रथम। जैविक पदार्थों की संरचना एवं कार्यकारी में प्रोटींस का महत्वपूर्ण स्थान है। यह कोशिकाओं के घटक (components) का संरचनात्मक ढांचा बनाते हैं तथा जीवद्वारा पाये जाने वाले होस पदार्थ होते हैं।

प्रोटींस -

प्रोटींस एक जटिल कार्बनिक सैमीक है पदार्थ है जिसका गठन कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन एवं नाइट्रोजन तत्वों के अणुओं से मिलकर होता है। कुछ प्रोटींस में इन तत्वों के अतिरिक्त आंशिक रूप से गंधक, तांबा तथा फास्फोरस भी उपस्थित होता है। ये जीवद्वारा के मुख्य अवयव हैं एवं शारीरिक वृद्धि तथा विभिन्न जैविक क्रियाओं के लिए आवश्यक हैं।

प्रोटींस त्वचा, रक्त प्रोटींस, स्नायु, समूह देने वाला प्रोटींस गोलापेशियों तथा दृष्टियों की कोशिकाओं के विकास के लिए आवश्यक होते हैं। जे. जे. मुल्डर ने 1840 में प्रोटींस का नामकरण किया। प्रोटींस बनाने में 20 अमीनो अम्ल भाग लेते हैं। पाये ये सभी अमीनो अम्ल अपने विभिन्न भागों में तैयार कर सकते हैं। जंतुओं की कुछ कोशिकाएं इनमें से कुछ अमीनो अम्ल तैयार कर सकती हैं, लेकिन निश्चय यह शरीर कोशिकाओं में संश्लेषण नहीं कर पाते हैं-हे जंतु अपने भोजन से प्राप्त कर लेते हैं। इन अमीनो अम्ल को अनिवार्य या आवश्यक अमीनो अम्ल कहते हैं।

Amino acid -

प्रोटींस इन्हीं अणुओं से बने कार्बनिक पदार्थ होते हैं, जिनका निर्माण अमीनो अम्लों से होता है अर्थात् ये अमीनो अम्लों के बंदूक होते हैं। अमीनो अम्लों की दोषे संख्याओं का सामान्यतः पेट्टाई तथा वही संख्याओं को प्रोटींस कहा जाता है।

Structure of amino acid -

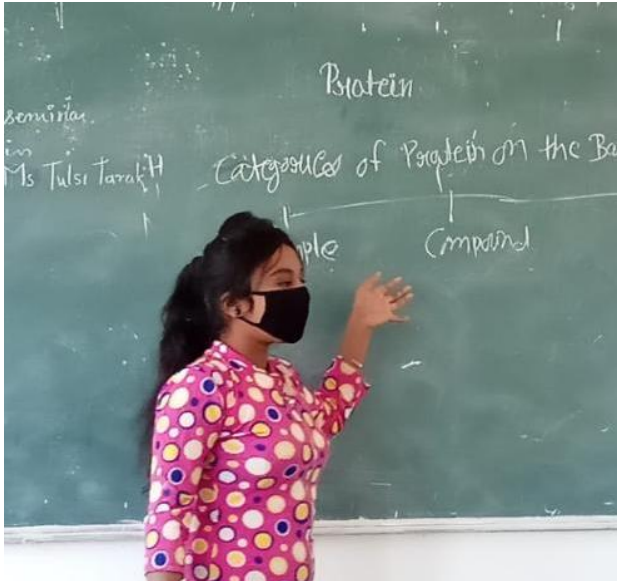
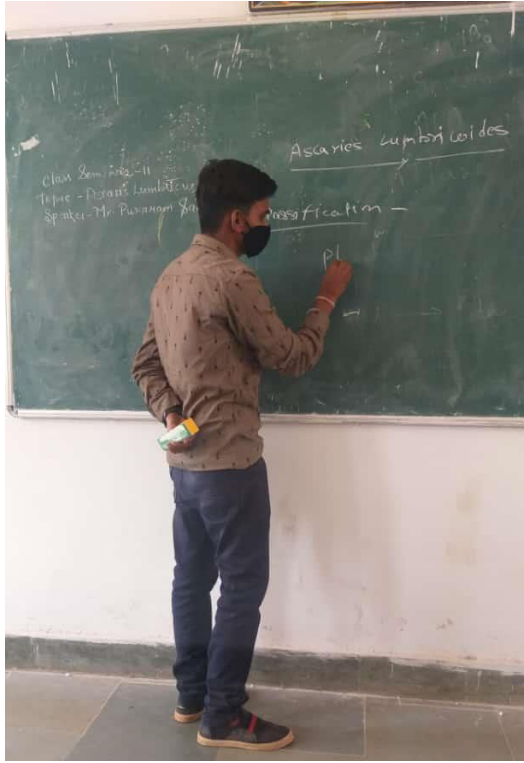
Trushi













Their journey begins...
